TEACHING PRACTICE NOTE BOOK

Session..2017 – 18........

Name......Yogi Devi.. Class.....8th.............................

College Roll No. .....222.................................University Roll No. ...1636249...........

Practising School.....Govt. Senior Secondary Kharkari (Thavri)

Teaching Subject:- ....Commerce...

CERTIFICATE

This is to certify that I have delivered :-

1. ..5... Micro Teaching Lessons
2. ..5...Mega/Simulated Teaching Lessons
3. ...1...Discussion Lesson
4. .12..Teaching Practice Lessons
5. ....Criticism Lesson
6. .10..Observation Lessons & School report

Signature of Pupil Teacher

Attested

Signature

Lecture Supervisor

Countersigned

Scanned with CamScanner

ATTENDANCE CHART

School: Govt. Sr. Sec School Kharkari Jhanwari

Class: 7th   Subject: 1

& Roll	1/12	2/12	3/12	4/12	5/12	6/12	7/12	8/12	9/12	10/12	11/12	12/12	13/12	14/12	15/12	16/12	17/12	18/12	19/12	20/12
et	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
Kha	P			P	P	P	P	A	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
mi	A			P	P	P	P	[illegible]	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
it	P			P	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
etna	P			P	P	P	A	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
kshi	P			P	P	P	P	P	A		P	P	P	P	P	A		P	P	P
nsh	P			P	P	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	P
bhi	P			P	P	P	A	P	P		P	P	P	A	P	P		P	P	P
kshay	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		A	P	P
utam	P			P	P	P	P	P	A		P	P	P	P	P	P		P	P	A
lit	P			P	P	P	P	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P
etu	P			P	P	P	P	P	A		P	P	P	P	P	P		P	A	P
miksha	P			P	P	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	P
bhinav	A			A	P	P	P	P	A		P	P	P	P	A	P		A	P	P
aksh	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	A		P	P	P
shu	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P	P	P	A		P	P	A
ahak	P			P	P	P	P	P	A		P	P	P	P	P	P		P	P	P
smaan	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P
Aman	P			A	P	P	P	P	P		P	A	P	P	P	P		A	P	P
aditi	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	A	P		P	A	P
onak	P			P	P	P	P	P	P		P	A	P	P	P	P		P	P	P
eena	A			P	P	P	A	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P
Naveen	P			P	P	P	A	P	P		P	P	P	P	P	P		A	P	P
aitik	P			P	P	P	P	A	P		P	A	P	P	P	P		P	P	P

INDEX

S.No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sig. of the Supervisor
			Micro Teaching Lesson		
	7/10/17	1.	ई- मेल		
	10/10/17	2.	भारत की मिट्टी		
	12/10/17	3.	बफर स्टॉक		
	14/10/17	4.	मौलिक अधिकार		
	18/10/17	5.	देशी व्यापार		
			Simulated Teaching		
	10/11/17	1.	परिवहन संचार और व्यापार		
	13/11/17	2.	बैंक		
	15/11/17	3.	संप्रेषण व संप्रेषण के प्रकार		
	17/11/17	4.	बीमा		
	20/11/17	5.	व्यवसाय		
			Discussion Lesson		
	24/4/18	1.	पैसा		
			Teaching Practice Lesson		
	4/12/17	1.	व्यवसाय के लक्ष्य		

Scanned with CamScanner

INDEX

S.No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sig. of the Supervisor
	5/12/17	2.	व्यापार व इसके प्रकार		
	6/12/17	3.	साझेदारी व उसके प्रकार		
	7/12/17	4.	जनसंख्या वृद्धि		
	8/12/17	5.	बेरोजगारी		
	9/12/17	6.	व्यवसायिक पर्यावरण		
	11/12/17	7.	पेशा		
	12/12/17	8.	व्यवसायिक पर्यावरण के घटक		
	13/12/17	9.	PCO		
	14/12/17	10.	फैक्स		
	15/12/17	11.	इंटरनेट		
	16/12/17	12.	परिवहन व उसके साधन		
			Observation Lesson		

MICRO TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

LESSON No. ...1....

Date 7/10/2017 — Duration of the period 6 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi — Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 8th — Average Age of the pupils

Subject कंप्यूटर — Topic ई-मेल

प्रस्तावना कौशल

कौशल के मानदण्ड -

विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना पूर्वज्ञान का प्रत्यास्मरण करना / पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना । विषयवस्तु की स्पष्टता

प्रस्तुतीकरण

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
छात्राध्यापक छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे	छात्र प्रश्नों के उत्तर देंगे	पूर्व ज्ञान से सम्बंधित प्रश्नों में क्रमबद्धता
(1) प्राचीन काल में हम अपने संदेश और विचारों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर कैसे पहुँचाया जाता है?	कबूतर	
2) संचार का साधन कबूतर संदेशों को पहुँचाने के लिए कितना समय लगता था?	अधिक समय लेता था ।	
3) इसके पश्चात कौनसा साधन विकसित हुआ?	मनुष्य द्वारा संदेश भेजा जाता था।	

Scanned with CamScanner

4	मनुष्य द्वारा संदेश भेजना कौनसी सेवा के अंतर्गत आता था?	डाक सेवा
5	डाक द्वारा संदेश भेजने का कार्य कौन करता है?	पोस्ट मैन
6	डाक सेवा से व्यापारी को क्या फायदा है?	व्यापारी डाक सेवा द्वारा विदेशों से माल मंगा सकता है।
7)	आधुनिक इलैक्ट्रोनिक डाक सेवा का नाम क्या है?	मेल

उपविषय की घोषणा- 'अच्छा बच्चों' आज हम वाणिज्य के बारे में अध्ययन करेंगें -

	घटक	निर्धारण मापनी
1)	पूर्वज्ञान का उपयोग	0 1 (2) 3 4 5 6
2)	कथनों का मूलपाठ से संबंध	0 1 (2) 3 4 5 6
3)	प्रश्नों में क्रम बद्धता	0 1 2 (3) 4 5 6
4)	उपयुक्त साधनों व युक्तियों का चयन	0 1 2 (3) 4 5 6
5)	प्रस्तावना की अवधि	0 1 2 (3) 4 5 6
6)	छात्रों का ध्यान आकर्षित	0 1 2 (3) 4 5 6
7)	प्रस्तावना की प्रभावपूर्ण प्रस्तुती	0 1 2 (3) 4 5 6

Palm

LESSON No. ..2.....

Date 10/10/2017 — Duration of the period 6 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi — Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 6th — Average Age of the pupils

Subject Commerce — Topic भारत की मिट्टी

उद्दीपक परिवर्तन कौशल

कौशल के मानदण्ड-

विशिष्ट वस्तु की स्पष्टता विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

विद्यार्थियों में संवेदनशीलता का विकास

विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट करना

विद्यार्थियों की सम्भागिता

उपविषय की घोषणा - "अच्छा बच्चों" आज हम 'भारत की मिट्टी' के बारे में अध्ययन करेंगे-

प्रस्तुतीकरण

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	घटक
छात्राध्यापक छात्रों से प्रश्न पूछेंगे	छात्र उत्तर देंगे	
1) भारत में कुल कितने प्रकार की मिट्टी पाई जाती है?	भारत में कुल आठ प्रकार की मिट्टी पाई जाती है।	संचलन
2) मिट्टी के नाम बताओ {समूह छात्र से}	जलोढ मिट्टी, काली मिट्टी, लाल मिट्टी लेटेराइट मिट्टी	विद्यार्थी की सम्भागिता

Scanned with CamScanner

		क्षारीय मिट्टी, वनीय मिट्टी, मरुस्थलीय जैव मिट्टी	
3)	मानचित्र दिखाते हुए यह मिट्टी किस किस राज्य में पाई जाती है?	भारत का मानचित्र देखते हुए छात्र उत्तर देंगे।	केन्द्रण
4)	जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्रफल कितना प्रतिशत है?	क्षेत्रफल कुल 22% है (मानचित्र की सहायता)	
5)	जलोढ़ मिट्टी की प्रमुख फसलें कौन सी हैं?	धान, गेहूँ, मक्का दलहन, आलू इत्यादि	वाक् स्वरूप परिवर्तन
6)	काली मिट्टी किस प्रदेश में पाई जाती है?	गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उडीसा का दक्षिणी भाग, कर्नाटक उत्तरी भाग	
7)	काली मिट्टी को किस प्रदेश से जाना जाता है?	रेंगुर के नाम से जाना जाता है।	
	सबसे अधिक काली मिट्टी किस प्रदेश में पाई जाती है?	उडीसा के दक्षिणी भाग	

	घटक	निर्धारण मापनी
1)	संचलन	0 1 2 3 4 (5) 6
2)	धन-भाव	0 1 2 3 (4) 5 6
3)	वाक्स्वरूप परिवर्तन	0 1 2 3 (4) 5 6
4)	केन्द्रण	0 1 2 3 4 (5) 6
5)	अन्तःक्रिया शैली में परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
6)	विराम	0 1 2 3 4 (5) 6
7)	मौखिक दृश्य बदलाव	0 1 2 3 4 (5) 6
8)	विद्यार्थियों की सम्भागिता	0 1 2 3 4 (5) 6

Scanned with CamScanner

LESSON No. 3

Date 12/10/2017 | Duration of the period 6 min
Pupil Teacher's Name Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No. 222
Class 9th | Average Age of the pupils
Subject Commerce | Topic बफर स्टॉक

व्याख्या कौशल

कौशल के मानदण्ड -

1) उपविषय से सम्बन्धित विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) सरल स्पष्ट व रोचक भाषा का प्रयोग करना उपविषय के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालना
3) व्याख्या के समय सामान्य गति बनाए रखना
4) उचित कथनों का प्रयोग करना।

उपविषय की घोषणा - "अच्छा, क्यों" आज हम बफर स्टॉक के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे	उपयुक्त प्रारम्भिक कथन का प्रयोग
बफर स्टॉक - भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज गेहूँ और चावल के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं। भारतीय खाद्य निगम अधिक उत्पादन वाले राज्यों में किसानों से उचित मूल्य पर चावल और गेहूं खरीदता है। किसानों को उनकी उपज के		

बदले में पहले से घोषित कीमतें दी जाती हैं। इस मूल्य को न्यूनतम समर्थित मूल्य कहते हैं। सरकार बफर स्टॉक कृषी क्षेत्र वाले और समाज के गरीब वर्गों को बाजार में कीमत से कम कीमत पर अनाज उपलब्ध करवाने के लिए करती है, इस कीमत को निर्गित कीमत कहा जाता है।		स्पष्ट उपसहार व्यक्त कथन
निष्कर्ष कथन- बफर स्टॉक भारत में खाद्य सुरक्षा के घटक है। यह बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।		
पुनरावृत्ति- छात्राध्यापक प्रश्न पूछेंगे- 'बफर स्टॉक' किसे कहते हैं? 'बफर स्टॉक' किसका घटक है? सरकार द्वारा घोषित कीमतों को क्या कहते हैं?	छात्र उत्तर देंगे अधिप्राप्त अनाज गेहूँ चावल के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं। खाद्य सुरक्षा का घटक है। न्यूनतम समर्थित मूल्य	

घटक	निर्धारण मापनी
1) उपयुक्त प्रारम्भिक कथन का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6
2) योजना शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
3) आवश्यक बिंदुओं का ध्यान देना	0 1 2 3 4 (5) 6
4) बाड परीक्षण	0 1 2 3 4 (5) 6
5) तकनीकी शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
6) धारा प्रवाहित	0 1 2 3 (4) 5 6
7) उपयुक्त शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
8) स्पष्ट उपसंहारात्मक कथन	0 [illegible] 6

LESSON No. 4

Date 14/10/2017 Duration of the period 6 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 7th Average Age of the pupils

Subject Commerce Topic मौलिक अधिकार

उद्दीपक परिवर्तन कौशल

कौशल के मानदण्ड-

1) विषयवस्तु की स्पष्टता
2) विद्यार्थी में रुचि उत्पन्न कराना
3) सार्केन्द्रता का विकास करना
4) विद्यार्थीयों का ध्यान आकर्षित करना
5) विद्यार्थियों की सम्भागिता

उपविजय की घोषणा :-

"अच्छा बच्चों" आज हम पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डल के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
1)	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे। मौलिक अधिकार किसे कहते हैं? [समूह में]	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे। हमारे देश में लोकतांत्रिक देशों की भांति जो अधिकार दिए गए हैं।	संचलन
2)	चित्र में किसे प्रदर्शित किया गया है?	चित्र में मौलिक अधिकार के भागों को प्रदर्शित किया गया है।	केन्द्रण — मौलिक / दृश्य
3)	मौलिक अधिकार को कितने भागों में बांटा गया है?	मौलिक अधिकार को छह भागों में बांटा गया है।	
4)	[सभी छात्र से] सभी मौलिक अधिकारों के नाम बताओ?	1) समानता का अधिकार 2) स्वतंत्रता का अधिकार	वाकस्वरूप परिवर्तन

Scanned with CamScanner

		iii) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार iv) शोषण के खिलाफ अधिकार v) शैक्षिक व सांस्कृतिक अधिकार vi) संवैधानिक उपचार का अधिकार	
5)	उस मौलिक अधिकार का नाम बताओ जिसके अन्तर्गत छुआ-छूत को समाप्ति आती है	समानता का अधिकार है।	नियम

	घटक	निर्धारण मापनी
1)	संचलन	0 1 2 3 4 (5) 6
2)	हाव भाव	0 1 2 3 4 (5) 6
3)	वाकस्वरूप परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
4)	केन्द्रण < मौखिक / दृश्य	0 1 2 3 4 (5) 6
5)	अन्तः क्रिया शैली में परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
6)	विद्यार्थियों की सम्भागिता	0 1 2 3 4 (5) 6
7)	विराम	0 1 2 (3) 4 5 6
8)	मौखिक दृश्य बदलाव	0 1 2 3 4 (5) 6

Pcm

LESSON No. 5

Date 18/10/2017 — Duration of the period 6 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi — Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 9th — Average Age of the pupils

Subject Commerce — Topic देशी व्यापार

प्रश्न कौशल

कौशल के मानदण्ड – उत्तरों को शुद्ध करना विद्यार्थियों का अधिक-से-अधिक भाग लेना। उत्तरों के लिए प्रोत्साहित करना। उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना ? उचित भाषा का प्रयोग करना। विद्यार्थियों में समालोचनात्मक विकास करना

उपविषय की घोषणा –

"अच्छा बच्चो" आज हम साहयुस्थ था व व्यापारी के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण –

छात्राध्यापक क्रिया	छात्रानुक्रिया	घटक
छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
1) व्यापार से तात्पर्य क्या है?	लाभ-प्राप्ती के उद्देश्य से वस्तुओं के क्रय-विक्रय को व्यापार कहते हैं।	समवकृधता
2) आन्तरिक या देशी व्यापार किसे कहते हैं ?	जब वस्तुओं के क्रेता व विक्रेता एक ही देश में रहते हैं तो उनके मध्य होने वाले व्यापार को देशी / आन्तरिक व्यापार है।	विराम
3) देशी व्यापार के सौदे की गतिविधी का अर्थ क्या है?	देशी व्यापार के सौदे की गतिविधि से अभिप्राय	संक्षिप्ता

Scanned with CamScanner

		उन सभी कार्यों से है जो किसी व्यापारिक सौदे के प्रारम्भ से अंत तक सम्पन्न किए जाते हैं।	
4)	व्यापारिक सौदे के कितने पक्ष हैं?	व्यापारिक सौदे के दो पक्ष 1) लेनदार 2) देनदार	
5)	व्यापारिक सौदे की विभिन्न अवस्थाएँ कौनसी हैं?	अस्पष्ट कथन	विशिष्ट
	अध्यापिका कथन	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	
6)	व्यापारिक सौदे के विभिन्न अवस्थाएँ 1) पूछताछ 2) निर्ख भेजना 3) आदेश देना 4) आदेश स्वीकृति 5) आर्थिक स्थिति को		
	पूछताछ निर्ख किसे कहते हैं?	पूछताछ के पत्र के उत्तर में जो पत्र विक्रेता द्वारा अपने या विक्रेता को लिखा जाता है	

	घटक	निर्धारण मापनी
1)	समबद्धता	0 1 2 3 4 (5) 6
2)	स्पष्टता	0 1 2 3 4 (5) 6
3)	संक्षिप्ता	0 1 2 3 4 (5) 6
4)	सही व्याकरण का प्रयोग	0 1 2 (3) 4 5 6
5)	प्रश्नों का स्तर	0 1 2 3 4 (5) 6
6)	गति	0 1 2 3 4 (5) 6
7)	विराम	0 1 2 3 (4) 5 6
8)	वितरण	0 1 2 3 (4) 5 6

Pala

Scanned with CamScanner

SIMULATED TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

LESSON No. 1

Date 10/11/2017 | Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 6th | Average Age of the pupils

Subject Commerce | Topic परिवहन संचार और व्यापार

अनुदेशन सामग्री -
चाक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री -
विषयवस्तु से सम्बन्धित पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -
पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
विषय के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता।
मौखिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान।
कठिन समस्याओं का समाधान कराना।

व्यवहारपरक उद्देश्य -
पाठ की समाप्ति के बाद छात्र के व्यवहार में निम्न परिवर्तन आ जाएंगे।
विद्यार्थी में परिवहन संचार और व्यापार का ज्ञान हो जाएगा।
विद्यार्थी परिवहन संचार व साधनों को पहचान सकेंगे।
विषयवस्तु संबंधी साधनों के उदाहरण दे पाएंगे।
विद्यार्थी संचार व व्यापार के साधनों में भेद कर पाएंगे

अनुमानित पूर्वज्ञान - छात्र विषयवस्तु सम्बंधी सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण - छात्राध्यापक पूर्वज्ञान से सम्बन्धित निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।
वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं।
इन से आपको क्या लाभ है?
परिवहन के साधन किसे कहते हैं?

Scanned with CamScanner

उद्देश्य कथन -
छात्रों के संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक उपविषय की घोषणा करेगा कि "अच्छा बच्चों" आज हम परिवहन संचार और व्यापार के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण – पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे	
परिवहन	जो साधन यात्रियों और सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाता है उसे परिवहन कहा जाता है। यह माल उत्पादक व उपभोक्ता के बीच कड़ी का काम करते हैं। इसके पांच प्रकार हैं- 1) सड़क मार्ग 2) रेल मार्ग 3) वायु मार्ग 4) जल मार्ग 5) पाइप लाइन		परिवहन की परिभाषा

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

	विकासात्मक प्रश्न		
	I) हम अपने विचारों व संदेशों को पहुंचाने के लिए किसका प्रयोग करते हैं?	टेलीग्राफ व टेलीफोन का प्रयोग करते हैं।	
	II) ये कैसे साधन हैं?	संचार के साधन।	
	III) संचार के साधन किसे कहते हैं?		
	छात्राध्यापिका कथन		
संचार	जो साधन संदेशों और सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं उन्हें संचार के साधन कहते हैं। संचार के साधन किसी देश के व्यापारिक तथा औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संचार के दो साधन हैं I) जनसंचार II) व्यक्तिगत	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दु को नोट करेंगे।	संचार
व्यापार	दो व्यक्तियों या समूह के बीच लेन देन को व्यापार कहते हैं। स्थानीय व्यापार नगरों, कस्बो अथवा राज्यो बीच होने वाला व्यापार, स्थल, जल तथा वायु व्यापार तीनों		व्यापार

	भागों में हो सकता है। व्यापार के दो पहलु हैं। I) आयात II) निर्यात आयात व निर्यात के बीच के अंतर को व्यापार संतुलन कहते हैं।		

पुनरावृत्ति -

छात्राध्यापक पढ़ाए गए विषयवस्तु में से निम्न प्रश्न पूछेंगे।

1) परिवहन किसे कहते हैं?
2) जनसंचार के साधन कौन कौन से हैं?
3) आयात किसे कहते हैं?
4) व्यापार संतुलन किसे कहते हैं?

गृहकार्य -

छात्राध्यापक छात्रों को निम्नलिखित गृहकार्य देंगे।

सभी छात्र घर से परिवहन संचार व व्यापार के विषय में अध्ययन करके आएंगे।

Pahari
10/11/17

Scanned with CamScanner

LESSON No. 2

Date 13/11/2017 | Duration of the period 30 min
Pupil Teacher's Name Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No. 222
Class 8th | Average Age of the pupils
Subject Commerce | Topic बैंक

अनुदेशनात्मक सामग्री -
चाक, संकेतक, झाड़न आदि।

सहायक सामग्री -
विषयवस्तु से सम्बन्धित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -
छात्रों को बैंक संबंधी जानकारी देना।
विद्यार्थी को समाज में बैंक के उपयोग की जानकारी देना।
सामाजिक व राजनीतिक जीवन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
विद्यार्थियों को समाज में लोगों में बचत के स्रोतों को समझाना।

व्यवहारपरक उद्देश्य -
पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे।
विद्यार्थी को उपविषय से संबंधित ज्ञान हो जाएगा।
विद्यार्थी में व्याख्या कौशल उत्पन्न हो जाएगा।
विद्यार्थी में बचत करने का व्यवहार आ जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान - विद्यार्थी बैंक के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण -
छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगे।
1) आप पैसे कहाँ जमा करते हैं?
2) बैंक किसे कहते हैं?
3) बैंक की परिभाषा बताइए?

Scanned with CamScanner

उपविषय घोषणा -

छात्रों से संतोष जनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक उपविषय की उप घोषणा करेंगे। कि "अच्छा बच्चों" आज हम बैंक व उसके प्रकार का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्टकार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु का पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु नोट करेंगे।	
बैंक	साधारण शब्दों में बैंक से आशय ऐसी संस्था से है जिसका संबंध मुद्रा और साख के कारोबार से है। यह स्थान जनता से रुपया जमा के रूप में उधार लेती है और उनको ऋण देती है। वर्तमान में आधुनिक बैंक मुद्रा लेन-देन के अतिरिक्त करे। अन्य कार्य भी करती है। जैसे एजेन्सी कार्य सामान्य सेवाएं आदि।		बैंक बैंक के कार्य 1) एजेन्सी कार्य 2) सामान्य सेवा

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils...................................

Subject.. Topic...

अधिनियम 1949	बैंक या बैंकिंग कम्पनी व संस्था है जो जनता को उधार देने के लिए या इसका विनियोग करने के लिए मुद्रा को जमा पर प्राप्त करती है तथा जो इसको माँगने पर चेक, ड्राफ्ट आदेश अथवा अन्य किसी प्रकार से भुगतान करती है। इस प्रकार बैंक वह संस्था है जो धन का आदान-प्रदान करती है।		
	विकासात्मक प्रश्न I) बैंक किसे कहते हैं? II) बैंक के कार्य क्या हैं?	जिसका संबंध मुद्रा व साख के कारोबार से है। II) बैंक के कार्य निम्न हैं जैसे एजेन्सी कार्य सामान्य सेवाएँ।	
	III) बैंक के प्रकार बताइए	मौन	
बैंक के प्रकार	आधुनिक योग युग विशिष्टीकरण का युग है। छोटे-छोटे कार्य के लिए भी विशेषताएं की आवश्यकता पड़ती है।		बैंक के प्रकार व्यापारिक सरकारी आर. बी. आइ. विनिमय बैंक

Scanned with CamScanner

बैंकिंग कारोबार भी इससे अछूता नहीं रहा है। आधुनिक युग में निम्नलिखित प्रकार के बैंक देखने में आते हैं। व्यापारिक बैंक औद्योगिक बैंक विनिमय बैंक आर.बी. आइ एस. बी. आइ सहकारी बैंक भारतीय आयात निर्यात बैंक		भारतीय आयात निर्यात बैंक.

पुनरावृत्ति -

छात्राध्यापक छात्रों को पढ़ाए गए प्रश्न पूछेंगे-

1) बैंक का अर्थ बताइए।
2) बैंक का कार्य क्या है।
3) बैंक के प्रकार कितने हैं?
4) बैंक किस अधिनियम में आता है?

गृहकार्य -

छात्राध्यापक छात्रों को पढ़ाए गए विषय में से गृहकार्य देंगे।

सभी छात्र बैंक के विषय में जानकारी प्राप्त करके जाएंगे।

Pahan
13/11/17

LESSON No. ...3.....

Date 15/11/2017
Duration of the period 20 min
Pupil Teacher's Name Yogi Devi
Pupil Teacher's Roll No. 222
Class 11th
Average Age of the pupils
Subject Commerce
Topic सम्प्रेषण व सम्प्रेषण के प्रकार

अनुदेशनात्मक सामग्री –
चाक, सफेद डस्टर, झाड़न आदि।

सहायक सामग्री – विषयवस्तु से सम्बन्धित पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य–
I) छात्रों को सम्प्रेषण के बारे में जानकारी देना।
II) छात्रों में तर्क शक्ति का विकास करना।
III) छात्रों में जिज्ञासा शक्ति की प्रवृत्ति उत्पन्न करना।
IV) छात्रों को भावी जीवन मे विषयवस्तु के बारे मे उपयोग समझाना।

व्यवहारपरक उद्देश्य –
पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी में निम्नलिखित अपेक्षित व्यवहार में परिवर्तन हो जाएगा।
1) छात्र सम्प्रेषण व सम्प्रेषण का प्रकार की जानकारी प्राप्त करेगा।
2) छात्र अपने निजी जीवन में सम्प्रेषण का प्रयोग कर पाएगा
3) छात्र पाठ का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान –
छात्र सम्प्रेषण के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षण –
छात्र अध्यापक छात्रों से सम्बन्धित पूर्वज्ञान से निम्न प्रश्न पूछेंगे।

Scanned with CamScanner

1) हम एक दूसरे में अपने विचार कैसे प्रकट करते हैं?
2) संप्रेषण किसे कहते हैं?
3) दूर रहने वाले लोग अपने विचार किस माध्यम से व्यक्त करते हैं?

उपविषय घोषणा -

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक उपविषय की घोषणा करेंगे। "अच्छा बच्चों" आज हम संप्रेषण व उसके प्रकार का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
संप्रेषण	मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह सदैव अपने विचार दूसरों के साथ बाँटने को उत्सुक रहता है। यह अपने विचारों और अनुभवों, भावनाओं संवेदना का		संप्रेषण संप्रेषण प्रकार 1) शाब्दिक 2) अशाब्दिक

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

	अपने क्षेत्र में दूसरों के साथ आदान-प्रदान करना चाहता है। संवाद के लिए कम-से-कम दो व्यक्तियों की आवश्यकता होती है।		
संप्रेषण के प्रकार	संप्रेषण के दो प्रकार हैं। 1) शाब्दिक संप्रेषण – इस संप्रेषण में विचारों व भावों के आदान प्रदान में भाषा का प्रयोग किया जाता है। शाब्दिक संप्रेषण के भी दो प्रकार हैं –		
	1) लिखित संप्रेषण – जब विचारों का आदान-प्रदान लिखित भाषा में किया जाता है। इसमें भाषा यह आवश्यक है कि लिखित भाषा सरल, सुगम स्पष्ट हो ताकि सभी विद्यार्थी आसानी से समझ सकें।		शाब्दिक संप्रेषण के प्रकार ⇒ लिखित ⇒ मौखिक
	2) मौखिक संप्रेषण – जब विचारों का आदान प्रदान मौखिक रूप से किया जाता है तो मौखिक संप्रेषण कहते हैं।		मौखिक संप्रेषण जब विचारों का आदान-प्रदान मौखिक रूप से किया जाता है, मौखिक संप्रेषण कहलाता है।

Scanned with CamScanner

	⊙ अशाब्दिक संप्रेषण - इस संप्रेषण में भाषा का प्रयोग नहीं किया जाता इसके बजाय शारीरिक भाषा, मुख मुद्रा अथवा संकेतों का प्रयोग करके विचारों, भावनाओं, आदि का आदान प्रदान किया जाता है।		
	विकासात्मक प्रश्न		
	I) संप्रेषण किसे कहते हैं?	छात्र उत्तर देंगे अपने विचारों, भावनाओं, संवेदनाओं को दूसरों के समक्ष प्रकट करना संप्रेषण है।	
	2) संप्रेषण के प्रकार कितने और कौन से हैं?	संप्रेषण के मुख्य दो प्रकार हैं- शाब्दिक और अशाब्दिक	
	III) अशाब्दिक संप्रेषण के प्रकार कौन से हैं?	मौन	
	(छात्राध्यापक कथन)		
अशाब्दिक संप्रेषण के प्रकार	अशाब्दिक संप्रेषण के पाँच प्रकार हैं —	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु नोट करेंगे	अशाब्दिक के प्रका
	I) शारीरिक भाषा - शारीरिक भाषा के विभिन्न प्रकार के हाव-भाव, अंगों का संचालन, शारीरिक ढांचा		

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils...................................

Subject... Topic..

आदि सम्मिलित होते हैं। पाँव छूना, दाँत पीसना, हाथ मिलाना आदि इस भाषा के उदाहरण हैं।		
II) आँखों की भाषा- आँखों की भाषा में आँखों की विभिन्न गतियाँ और आँखों का संचालन आदि सम्मिलित होते हैं।		आँखों की भाषा
III) ध्वनि संकेत -ध्वनि संकेतों के प्रयोग द्वारा हम दूसरों को अपनी सहमती या असहमती, प्रसन्नता या अप्रसन्नता आदि संप्रेषित करते हैं।		ध्वनि संकेत
IV) मुख मुद्रा - किसी संवेगात्मक स्थिति की अभिव्यक्ति मुख मुद्राओं का विशेष महत्त्व है।		मुख मुद्रा
IV) स्पर्श संकेत -स्पर्श संकेतों का अशाब्दिक संप्रेषण में विशेष महत्त्व है। हाथ के स्पर्श से ही जाना जाता है कि ये दोस्ती का हाथ है या दुश्मनी का।		स्पर्श संकेत

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति -

छात्राध्यापक छात्रों से पाठ समाप्ति के पश्चात निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

I) संप्रेषण किसे कहते है?
II) संप्रेषण के कितने प्रकार है?
III) शाब्दिक संप्रेषण के प्रकार बताइए?
IV) शारीरिक भाषा क्या है?
V) ध्वनि संकेत किसके अंतर्गत आता है?

गृहकार्य - पाठ की समाप्ति के बाद छात्राध्यापक छात्रों को गृहकार्य देंगे।

सभी छात्र घर से संप्रेषण व उसके प्रकार को घर से पढ़कर आएंगे।

Palwan
15/11/17

LESSON No. ....4....

Date ...17/11/2017...

Pupil Teacher's Name ...Yogi Devi...

Class ...8th...

Subject ...Commerce...

Duration of the period ...20 min...

Pupil Teacher's Roll No. ...222...

Average Age of the pupils ...

Topic ...बीमा...

अनुदेशनात्मक सामग्री - चाक, संकेतन, डाइन, इत्यादि।

सहायक सामग्री - बिमाम वस्तु संबंधि कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -

1) छात्रों को बीमा संबंधित बिवम्भ में जानभवि देना।
2) छात्रों में टमिरामिने का विकास करना।
3) छात्रों में जिज्ञासा शक्ति का विकास करना।
4) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य -

पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में निम्नलिखित अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएंगे।

1) छात्र बीमा के महत्त्वों की पहचान कर सकेंगे।
2) छात्र बीमा के महत्त्वों का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
3) छात्र बीमा को वर्गीकृत कर सकेंगे।
4) छात्र बीमा के महत्त्वों की व्याख्या कर सकेंगे।
5) छात्र बीमा के महत्त्वों का मूल्यांकन कर जाएंगे।
6) छात्र बीमा के महत्त्वों का निष्कर्ष निकाल पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान -

छात्र बीमा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा -

छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान से सम्बन्धित निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

1) बीमा किसे कहते हैं?

Scanned with CamScanner

2) बीमा किसलिए करवाया जाता है?
3) बीमा करवाने से क्या लाभ है?

उपविषय की घोषणा -

छात्राध्यापक को छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उपविषय की घोषणा करेगा कि "अच्छा बच्चों" आज हम बीमा के अर्थ और उसके महत्त्व का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

पाठ को विभाजित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु की व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
बीमा का अर्थ।	बीमा वह अनुबंध है जिसमें एक बीमा कम्पनी बीमा कराने वाले व्यक्ति को प्राप्त नियत प्रतिफल के बदले निश्चित व्यक्ति को निश्चित अवधि तक कोई हानि होने पर पूर्व निश्चित राशि तक क्षतिपूर्ति का वचन देती है। Definition by Gutthman Insurance is the contract between Insurer and		बीमा का अर्थ

LESSON No. ....

Date........................ Duration of the period........................

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class........................ Average Age of the pupils........................

Subject........................ Topic........................

Insuree with fixed amount and to componsate the the Insurance up to prefixed amount.

Features of Insurance

1) सद्विश्वास -
बीमा की यह प्रमुख विशेषता होती है कि बीमा करने वाले को और बीमा कराने वाले को व्यक्ति के बीच सद्विश्वास हो।

2) बीमित हित -
बीमा अनुबन्ध तभी मान्य होता है जब दोनों पक्षों में बीमा कराने वाला तथा बीमा करने वाले का उसमें हित हो।

3) क्षतिपूर्ति करना -
बीमा अनुबन्ध में बीमित व्यक्ति तभी क्षतिपूर्ति का अधिकारी होता है जब उसे होने वाली ध्वनि प्राकृतिक हो न कि जानबूझकर बीमा राशि प्राप्त करने के लिए।

4) अधिकार समर्पण -
बीमा अनुबन्ध में यह विशेषता

है कि बीमित व्यक्ति जो कि बीमा कराता है तो एक बार अतिपूर्ति होने पर।

5) निकटतम कारण -
बीमा अनुबंध में नियमित व्यक्ति जिस प्रकार का बीमा करवाता है इस बीमे में उसे जो हानि होती है वह निकटतम कारण होना चाहिए।

6) निश्चित प्रतिफल -
बीमा अनुबंध तभी आरंभ होता है जब बीमित व्यक्ति प्रत्येक निश्चित अवधि पर प्रीमियम का भुगतान करता हो।

विकासात्मक प्रश्न (छात्राध्यापक कथन)	छात्र उत्तर देंगे।
बीमा का अर्थ बताइए।	बीमा वह अनुबंध है जिसमें एक बीमा कंपनी बीमा कराने वाले व्यक्ति से प्राप्त नियम प्रतिफल के बदले बिमित व्यक्ति को निश्चित

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils......................................

Subject.. Topic..

		अतिथि तक क्षतिपूर्ति का वचन देती है।	

पुनरावृत्ति -

छात्राध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेगी -

1) बीमा किसे कहते है?

2) बीमा के क्या लाभ है?

3) बीमा की प्रवृत्ति बताओ?

गृहकार्य - छात्राध्यापिका पाठ की समाप्ति पर बच्चों को गृहकार्य देगी।

सभी छात्र बीमा के अर्थ व महत्त्व के बारे में विस्तार से पढ़कर आएंगे।

Patram
17/4/17

Scanned with CamScanner

LESSON No. ...5......

Date 20/11/2017 | Duration of the period 20 min
Pupil Teacher's Name Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No. 222
Class 8th | Average Age of the pupils
Subject Commerce | Topic व्यवसाय

अनुदेशनात्मक सामग्री -
चाक, संकेतक, डाडन, श्यामपट्ट आदि।

सहायक सामग्री -
विषयवस्तु से सम्बन्धित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -
1) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
2) शिक्षा के उद्देश्यो की प्राप्ति में सहायता।
3) वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।
4) कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य -
1) विद्यार्थी को व्यवसाय संबंधी ज्ञान हो जाएगा।
2) विद्यार्थी व्यवसाय की परिभाषा बता पाएंगे।
3) अपने निजी जीवन में विद्यार्थी इसका उपयोग करेंगे।
4) विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान -
छात्र व्यवसाय के संबंध में सामान्य जानकारी रखते हैं -

पूर्वज्ञान परीक्षण -
छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान संबंधित निम्न प्रश्न पूछेंगे -

Scanned with CamScanner

1) हमें किसी चीज को खरीदने के लिए किसकी आवश्यकता है?
2) पैसे को हम किस तरह कमाते हैं?
3) व्यवसाय किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा -

छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों" आज हम व्यवसाय के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकबट कार्य
	छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी	छात्र ध्यान से सुनेंगे	
व्यवसाय	व्यवसाय का शाब्दिक अर्थ व्यस्तता की अवस्था से है। या उस क्रिया से है जिसमें कोई व्यक्ति व्यस्त रहता है, किन्तु		

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils................................

Subject... Topic...

	व्यवसाय का अर्थ अत्यन्त व्यापक है क्योंकि इसके अनुसार प्रत्येक मानवीय क्रिया को व्यवसाय की संज्ञा देनी होगी।		
	संकुचित व विस्तृत अर्थ संकुचित अर्थ में व्यवसाय से तात्पर्य वस्तुओं के क्रय-विक्रय में लगाया जाता है। विस्तृत अर्थ में व्यवसाय में वे सभी मानवीय क्रियाएँ शामिल है जो वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन से लेकर उन्हे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाने में मदद करता है।		संकुचित व विस्तृत अर्थ
परिभाषा	व्यवसाय की कोई ऐसी परिभाषा नहीं है जो सर्वमान्य कही जा सके - "व्यवसाय से आशय उन मानवीय क्रियाओं से है जो वस्तुओं के		

	क्रय-विक्रय के द्वारा धन के उत्पादन तथा धन प्राप्ति के लिए किया जाता है।" एम. एच. जो.		

पुनरावृत्ति -
पाठ की समाप्ति पर छात्राध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेगी -

1) व्यवसाय किसे कहते है?
2) व्यवसाय की परिभाषा दीजिए।
3) व्यवसाय का विस्तृत अर्थ क्या है?
4) व्यवसाय के तत्व बताओ।

गृहकार्य -
छात्र व्यवसाय के बारे में अध्ययन करके आएंगे।

Faizan
२०/११/१९

DISCUSSION LESSON

Scanned with CamScanner

LESSON No. 1

Date: 24/4/2018
Duration of the period: 20 min
Pupil Teacher's Name: Yogi Devi
Pupil Teacher's Roll No.: 222
Class: 8th
Average Age of the pupils:
Subject: Commerce
Topic: पेशा

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चाक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री :-

विषयवस्तु संबंधी कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. मानसिक व बौद्धिक विकास करना।
4. कल्पना शक्ति का विकास करना।
5. भौतिक परिस्थितियों का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को उपविषय संबंधी हो पाएगा।
2. विद्यार्थी पृथ्वी के विवरण करना सीख जाएँगे।
3. पेशे का विवरण करना सीख जाएँगे।
4. विद्यार्थी पेशे में भेद करना सीख जाएँगे।

अनुभावित पूर्वज्ञान :-

छात्र उपविषय से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

1. खेती करने वालों को क्या कहते हैं?
2. सामान का लेन-देन करना क्या है?
3. पेशा किसे कहते हैं?

Scanned with CamScanner

उद्देश्य कथन :-

छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि -

"अच्छा बच्चों आज हम 'पेशा' विषय पर अध्ययन करेंगे"।

प्रस्तुतीकरण :-

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
पेशा :-	पेशे से अभिप्राय मानवीय, आर्थिक सेवाओं से है। कोई भी पेशा ऐसा धन्धा है जिससे एक व्यक्ति अपने विशिष्ट ज्ञान व योग्यताओं के द्वारा आर्थिक प्रतिफल में बदले अपने समाज के अन्य लोगों को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है जैसे:- वकील, डोक्टर, शिक्षक आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	पेशा
परिभाषाएँ	वेबस्टर शब्दकोश के अनुसार 'पेशा वह व्यवसाय है जो एक व्यक्ति विशिष्ट ज्ञान		

LESSON No. ....

Date............ Duration of the period............

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class............ Average Age of the pupils............

Subject............ Topic............

प्राप्त करके अन्य व्यक्ति को निर्देशन, मार्गदर्शन एवं परामर्श देता है।	छात्र नोट करेंगे।	पेशा
होज एवं जानसन के शब्द :- "पेशा वह व्यवसाय है जिसके लिए एक विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता होती है तथा जिसका उच्च स्तरीय निरंतरता ~~द्वारा समाज के संबंधित वर्ग की सेवा का~~ प्रयोग किया जाता है।		
विकासात्मक प्रश्न :- छात्राध्यापक छात्रों से प्रश्न पूछेंगे –	**छात्र उत्तर :-**	
1. पेशे में कौन - कौन सम्मिलित है?	डॉक्टर, वकील, शिक्षक etc.	
2. वेबस्टर शब्दकोश के अनुसार पेशा क्या है?	पेशा वह व्यवसाय है जो एक व्यक्ति विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करके अन्य व्यक्ति को निर्देशन व परामर्श देता है।	
3. पेशे की विभिन्न विशेषताएँ		

	क्या है?	छात्र कौन
पेशे की विशेषताएं	**1. विशिष्ट ज्ञान :-** किसी भी पेशे को अपनाने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति ने उस पेशे का ज्ञान प्राप्त कर लिया है। B.Ed की डिग्री आवश्यक है। **2. प्रशिक्षण तथा अनुभव:** पेशेवर व्यक्ति को अपने ज्ञान से आधुनिक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। अभ्यास करने तथा प्रशिक्षण लेने से काम में निखार आता है। **3. सेवाभाव :-** पेशेवर व्यक्ति में आर्थिक उद्देश्य के सेवा की भावना भी होनी चाहिए। वस्तुतः सेवाभाव किसी पेशेवर व्यक्ति की सफलता का मूलमन्त्र है। उदाहरण :- डॉक्टर को अपनी फीस के साथ-साथ रोगियों के समुचित उपचार को ध्यान में रखना चाहिए। **4. ईमानदारी तथा नैतिकता :-**	

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..............................

Subject.. Topic..

पेशेवर व्यक्ति को अपना काम मेहनत, लगन व ईमानदारी तथा नैतिकता से करना चाहिए।		

पुनरावृत्ति :-

1. पेशा का क्या अर्थ है?
2. सेवाभाव से क्या तात्पर्य है?
3. पेशे के लिए कैसा ज्ञान होना चाहिए?
4. पेशे से जुड़े व्यक्तियों का नाम बताइए।

गृहकार्य :-

सभी छात्र पेशे का अर्थ व उसकी विशेषताओं का विस्तार करो।

1. Topic was announced at right time. 2. Home work was given at proper time. P.K-Testing was also B.B. work was also

Patram
24.04.18

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

Scanned with CamScanner

LESSON No. 1

Date 4/12/2017

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Class 6th

Subject Commerce

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Roll No. 222

Average Age of the pupils

Topic व्यवसाय के लक्ष्य

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, संकेतन, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री :-

विषयवस्तु से संबंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन आता है।
2. पाठ में रूचि उत्पन्न करना।
3. कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य :-

1. विद्यार्थी को व्यापार व उसके व्यवसाय के बारे में जानकारी होगी।
2. विद्यार्थी अपने जीवन में उपयोग कर पाएँगे।
3. कल्पना शक्ति का विकास होगा।

अनुभावित पूर्वज्ञान :-

छात्र व्यवसाय के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछती हैं।

उपविषय की घोषणा :-

आज हम व्यवसाय के लक्ष्यों को बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

Scanned with CamScanner

व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
व्यवसाय के लक्ष्य	जब भी कार्य आरंभ किया जाता है तो उस कार्य के पीछे कोई न कोई लक्ष्य होता है। व्यवसाय के विभिन्न उद्देश्यों को तीन भागों में बाँटा गया है। **आर्थिक उद्देश्य :-** इसके अंतर्गत व्यवसाय का अर्थ लक्ष्य बना है। **सामाजिक उद्देश्य :-** समाज द्वारा ही व्यवसाय को अनेक प्रकार के साधन प्रदान किए जाते हैं। जैसे: प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन आदि। **मानवीय उद्देश्य :-** किसी भी व्यवसाय में भूमि, इमारत, कच्चा माल, मशीन, मुद्रा आदि पदार्थ नहीं होते। इसमें प्रबंधक		व्यवसाय के विभिन्न उद्दे[श्य]

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

संगठन कर्ता, मानवीय श्रम की भी आवश्यकता पड़ती है।		
विकासात्मक प्रश्न :-		
1. व्यवसाय के लक्ष्य मुख्य रूप में क्या है?	धन कमाना।	
2. आर्थिक उद्देश्य क्या है?	आर्थिक उद्देश्य का अभिप्राय लाभ कमाना है।	
3. व्यवसाय का सामाजिक दायित्व क्या है?	मौन	

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. व्यवसाय के लक्ष्य क्या है?
2. मानवीय उद्देश्य क्या है?
3. व्यवसाय का सामाजिक दायित्व क्या है?

गृह कार्य :-
सभी छात्र घर से व्यवसाय के लक्ष्यों के बारे में अध्ययन करेंगे।

Palsam
04/12/17

LESSON No. 2

Date: 5/12/2017
Duration of the period: 40 min
Pupil Teacher's Name: Yogi Devi
Pupil Teacher's Roll No.: 222
Class: 7th
Average Age of the pupils:
Subject: Commerce
Topic: व्यापार व इसके प्रकार

अनुदेशनात्मक सामग्री:-
चाक, संकेतन, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री:-
विषयवस्तु से संम्बन्धित पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य:-
1. पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
2. वर्तमान समस्या का समाधान करना।
3. कल्पना शक्ति का विकास करना।
4. तर्क शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य:-
पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में भिन्न परिवर्तन आएंगे:-
1. विद्यार्थी व्यापार का उदाहरण दे पायेंगे।
2. विद्यार्थी व्यापार संबंधी साधनों में भेद कर पाएंगे।

अनुभावित पूर्वज्ञान:-
छात्र व्यापार संबंधी सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा:-
1. हम बाज़ार तथा दुकान से क्या खरीदते हैं?
2. व्यापार किसे कहते हैं?

प्रस्तुतीकरण:-
व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा:-

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	चाकपट्ट कार्य

व्यापार	वस्तुओं का क्रय-विक्रय करना व्यापार कहलाता है। व्यापार के मुख्यतः कई भागों में विभाजित किया गया है।	

विदेशी व्यापार :-
एक देश के व्यापारी द्वारा दूसरे देश के व्यापारी द्वारा किया जाने वाला क्रय-विक्रय व्यापार कहा जाता है।

आयात व्यापार :-
जब देश का व्यापारी दूसरे देश के व्यापारियों के साथ क्रय करने वाले देश के लिए आयात व्यापार होता है।

निर्यात व्यापार :-
जो माल एक देश की व्यापारी दूसरे देश के व्यापारियों को बेचते हैं उसे उस देश का निर्यात व्यापार कहते हैं।

विकासात्मक प्रश्न :-

1) व्यापार किसे कहते हैं?	क्रय-विक्रय को व्यापार कहते हैं।

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period...

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils...

Subject.. Topic..

2) विदेशी व्यापार किसे कहते है?	एक देश के व्यापारी दूसरे देश के व्यापारियों द्वारा किए जाने वाले को विदेशी व्यापार कहते हैं।	
3) देशी व्यापार किसे कहते हैं?	मौन	
अध्यापिका कथन :-		
देशी व्यापार - एक देश की सीमा के अंदर किया जाने वाला व्यापार देशी व्यापार कहलाता है। देशी व्यापार को पुन: तीन भागों में बाँटा जाता है।		
थोक व्यापार :- थोक व्यापार से वस्तुओं का क्रय-विक्रय बड़े पैमाने पर किया जाता है उसे थोक व्यापार कहते हैं।		
फुटकर व्यापारी :-		

Scanned with CamScanner

फुटकर व्यापारी थोक व्यापारियों से विभिन्न प्रकार का माल थोड़ी मात्रा में क्रय करता है।	

पुनरावृत्ति :-

1. व्यापार किसे कहते हैं?
2. निर्यात किसे कहते हैं?
3. देशी व्यापार किसे कहते हैं?

गृहकार्य :-

सभी छात्र घर से व्यापार के बारे में वि
अध्ययन करके आएँगे।

Padam
05/12/17

LESSON No. 3

Date 6/12/2017 | Duration of the period 40 min
Pupil Teacher's Name Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No. 222
Class 8th | Average Age of the pupils
Subject Commerce | Topic साझेदारी व उसके प्रकार

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चॉक, संकेतक, झाड़न, इत्यादि।

सहायक सामग्री :-
विषयवस्तु से सम्बन्धित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य :-
1. छात्रों की साझेदारी के विषय में जानकारी।
2. छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना।
3. छात्रों में कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य :-
पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्न परिवर्तन आएंगे।
1. विद्यार्थी साझेदारी तथा उसके प्रकार के विषय में जान पाएँगें।
2. विद्यार्थी पाठ का प्रत्यास्मरण कर पाएँगें।
3. विद्यार्थी में व्यवस्था कौशल का विकास हो जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-
छात्र साझेदारी तथा उसके प्रकार के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-
1. साझेदारी किसे कहते हैं?
2. इसके लाभ कैसे विभाजित किए जाते हैं?

उपविषय की घोषणा :-
साझेदारी और उसके प्रकार का अध्ययन करेंगें।

प्रस्तुतीकरण :-

Scanned with CamScanner

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
साझेदारी	साझेदारी से तात्पर्य व्यावसायिक संगठन के ऐसे प्रारूप से है जिस में दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छा से किसी व्यापारिक अनुबंध के अनुसार किसी ~~व्यावसायिक~~ वैज्ञानिक व्यवसाय को चलाने के लिए सहमत होते हैं। इस प्रकार साझेदारी से व्यवसाय ~~का~~ स्वामित्व एक व्यक्ति एक सीमित न रहकर दो या दो से अधिक व्यक्तियों में विभाजित किया जाता है।		साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्ति का व्यापार से जुड़ना लाभ - हानि परस्पर होते हैं।
	परिभाषा :- 'साझेदारी' की विभिन्न परिभाषा दी गई है- **आंग्ल साझेदारी अधिनियम:** साझेदारी लाभ की दृष्टि से मिल-जुल व्यवसाय चलाने के लिए व्यक्तियों के मध्य जाने के लिए संबंध है।		
	विकासात्मक प्रश्न :- 1) साझेदारी का तात्पर्य क्या है?	साझेदारी का तात्पर्य व्यवसाय के संगठन के	

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..........................

Subject.. Topic..

		ऐसे प्रारूप से है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छा से किसी व्यापारिक अनुबंधन के साथ व्यापार को चलाना क्या कहलाता है?	साझेदारी
साझेदारी के प्रकार:-	**अध्यापिका कथन:-** साझेदारी निम्न प्रकार की होती है-		
	ऐच्छिक साझेदारी: साझेदारी अधिनियम की धारा 7 के अनुसार यदि साझेदारी अनुबंध में साझेदारी की अवधि या विघटन संबंधी कोई उल्लेख नहीं है तो उसे ऐच्छिक साझे--दारी कहते हैं।		
	विशिष्ट साझेदारी:- यदि कोई साझेदारी किसी विशेष काम या व्यवसाय को करने के लिए स्थापित की जाती है।		
	सिमित साझेदारी:- जिन साझेदारी फर्मों का नियम तथा नियंत्रण भारतीय साझेदारी अधिनियम 1930 में दुबारा किया गया।		

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-

1. साझेदारी किसे कहते हैं?
2. साझेदारी कितने प्रकार की होती है?
3. साझेदारी में कितने व्यक्ति होते हैं?

गृहकार्य :-

पढ़ाए गए उपविषय में से छात्राध्यापिका गृहकार्य देगी।

सभी छात्र साझेदारी के बारे में अध्ययन करके आएँगे।

Patwari
06/12/17

Scanned with CamScanner

LESSON No. 4

Date 7/12/2017

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Class 9th

Subject Commerce

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Roll No 222

Average Age of the pupils

Topic जनसंख्या वृद्धि

अनुदेशनात्मक - चॉक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री- विषयवस्तु से सम्बन्धित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य-

1. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. तर्क शक्ति का विकास करना।
3. कल्पना शक्ति का विकास करना।
4. वर्तमान समस्या का समाधान करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य:-

1. विद्यार्थियों को जनसंख्या वृद्धि की जानकारी हो पायेगी।
2. विद्यार्थी जनसंख्या में गिरावट लाने में सहयोग कर सकेंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान:-

सभी छात्र जनसंख्या वृद्धि की सामान्य जानकारी रखेंगे।

पूर्वज्ञान परीक्षण:-

1. भारत के ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य समस्याएँ क्या हैं?
2. बेरोज़गारी के मुख्य कारण क्या हैं?
3. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा :-

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक छात्रों से उपविषय की घोषणा करेगी। अच्छा बच्चों आज हम आपको "जनसंख्या वृद्धि" का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण:-

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य

जनसंख्या वृद्धि	स्वतन्त्रता के बाद भारत का क्षे. तो उतना ही है परंतु 50 वर्षों में उसकी जनसंख्या दोगुनी से काफी अधिक हो गई है। आज यह 2.15% की दर से बढ़ रही है। जनसंख्या की वृद्धि के संचार व यातायात की सेवाओं में भी वृद्धि करनी होगी।		जनसंख्या वृद्धि जनसंख्या वृद्धि 2.15% की दर से बढ़ रही है।
जनसंख्या वृद्धि के कारण	जनसंख्या वृद्धि के कई कारण हैं - जन्मदर मृत्युदर गरीबी अशिक्षा लोगों की निर्धनता के कारण हमारे देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है।		कारण - जन्मदर मृत्युदर गरीबी अशिक्षा
	विकासात्मक प्रश्न :		
	1. भारत की जनसंख्या कितने % की दर से बढ़ रही है?	2.15% की दर से।	
	2. किस कारण मृत्युदर में	चिकित्सा व	

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

	कमी आई है ?	स्वास्थ्य की सेवाओं के कारण।
	3. बाल-विवाह का जनसंख्या वृद्धि में क्या योगदान है ?	मौन।
	अध्यापक कथन :-	
बाल-विवाह	भारत में आज भी छोटी आयु में विवाह कर दिए जाते है जिस से उनमें स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। 2001 में जन्मदर 1.93%। 2001 में मृत्युदर 0%. इसे जनसंख्या का घनत्व कहा जाता है।	

पुनरावृत्ति :-

1. जनसंख्या घनत्व किसे कहते हैं ?

2. 2001 में मृत्युदर कितनी थी ?

3. बाल विवाह क्या है ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापक छात्रों को पढ़ाए गए विषयवस्तु में से

प्रश्न पूछेगी।

सभी छात्र घर से जनसंख्या वृद्धि के बारे में अध्ययन करके आएँगे।

Pabhan
07.12.17.

Scanned with CamScanner

LESSON No. 5

Date: 8/12/2017
Duration of the period: 40 min
Pupil Teacher's Name: Yogi Devi
Pupil Teacher's Roll No. 222
Class: 6th
Average Age of the pupils:
Subject: Commerce
Topic: बेरोजगारी

अनुदेशनात्मक सामग्री - चॉक, संकेतन, डाइन इत्यादि।

सहायक सामग्री - विषयवस्तु संबंधित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -

1. पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
2. कल्पना शक्ति का विकास करना।
3. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

व्यावहारपरक उद्देश्य :- पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्न परिवर्तन आता है -

1. विद्यार्थी को उपविषय से संबंधित ज्ञान हो पाएगा।
2. प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी बेरोज़गारी की पहचान कर सकेंगे।

अनुभावित पूर्वज्ञान :-

छात्र बेरोज़गारी के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगे :-

i) - सभी व्यक्ति कार्य क्यों करते हैं?
ii) - बेरोज़गारी किसे कहते हैं?
iii) - ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों की मुख्य समस्या क्या है?

उपविषय की घोषणा :-

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक विषयवस्तु की घोषणा करेंगे।

Scanned with CamScanner

प्रस्तुतीकरण :- पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
बेरोज़गारी	छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्ण कथन व्याख्या करेंगी। किसी वर्ग के लोग काम करने योग्य है और काम भी करना चाहते हैं पर इन्हें काम नहीं मिलता तो उस अवस्था को बेरोज़गारी कहते हैं।		
बेरोज़गारी के प्रकार	इसके तीन प्रकार हैं - i) अप्रत्यक्ष बेरोज़गारी :- यह ऐसी स्थिति है जिसमें किसी कार्य को करने के लिए आवश्यकता से अधिक व्यक्ति लगे हो, उसे अप्रत्यक्ष बेरोज़गारी कहा जाता है। ii) मौसमी बेरोज़गारी - यदि किसी अर्थ व्यवस्था में व्यक्ति को कुछ ही महीने काम मिलता है तो उसे मौसमी बेरोज़गारी कहते हैं। iii) ढाँचागत बेरोजगारी - यदि किसी अर्थ व्यवस्था में सभी मजदूरों में नौकरी देने के लिए पूर्णिमा साधन उपलब्ध नहीं होते तो उसे ढाँचागत बेरोजगारी कहते हैं।		

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date..

Pupil Teacher's Name ....

Class..

Subject..

Duration of the period...........................

Pupil Teacher's Roll No. ....

Average Age of the pupils.........................

Topic..

विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र उत्तर देंगे।	
1) बेरोजगारी किसे कहते हैं?	यदि कोई व्यक्ति काम करने के योग्य है और काम करना चाहता है पर उसे काम नहीं मिलता तो उसे बेरोज़गारी कहते हैं।	
2) बेरोजगारी कितने प्रकार की होती है?	तीन प्रकार की होती है।	
3) भारत में बेरोज़गारी को किन दो प्रकार से मापा जा सकता है?	मौन।	
अध्यापिका कथन :-		
भारत में बेरोज़गारी की विशालता को दो प्रकार से मापा जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और नोट करेंगे।	
(1) जनगणना और नमूने का सर्वेक्षण करना।		
5.6% पुरुष और 6.71% महिलाएं बेरोज़गार थे।		
1999-2000 में यह बढ़कर 7.2% और 7.0% हो गई।		
बेरोज़गारी का सबसे बड़ा कारण जनसंख्या वृद्धि है।		सबसे बड़ा कारण जनसंख्या वृद्धि
लगातार जनसंख्या वृद्धि		

Scanned with CamScanner

से जनसंख्या विस्फोट हो जाता है। यह परिस्थिति हमारे भारत देश की है।	

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापक पढ़ाए गए विषय में से निम्न प्रश्न पूछेंगे:

क) बेरोज़गारी किसे कहते हैं?

ख) बेरोज़गारी को कैसे मापा जाता है?

ग) सबसे अधिक बेरोज़गारी का क्या कारण है?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापक छात्रों को गृहकार्य देंगे -

बेरोज़गारी कितने प्रकार की होती है? उसे संक्षिप्त में लिखो।

Patwa
08/12/17

LESSON No. ...6......

Date: 9/12/2017 | Duration of the period: 40 min

Pupil Teacher's Name: Yogi Devi | Pupil Teacher's Roll No.: 222

Class: 6th | Average Age of the pupils: ....

Subject: Commerce | Topic: व्यवसायिक पर्यावरण

अनुदेशनात्मक सामग्री - चाक, संकेतन, झाड़न, आदि।

सहायक सामग्री - विषयवस्तु से संबंधित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य -

i) छात्रों को उपविषय की जानकारी देना।

ii) प्राप्त ज्ञान को विस्तृत समझाना।

iii) कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य -

पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में अपेक्षित व्यवहारागत परिवर्तन आ जाएँगे -

i) विद्यार्थी उपविषय का ज्ञान प्राप्त कर लेंगे।

ii) प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने जीवन में कर पाएँगे।

iii) विद्यार्थियों को कल्पना शक्ति का विकास हो जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

छात्र व्यवसायिक पर्यावरण के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण -

छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेंगे -

i) हमारे चारों ओर फैले आवरण को क्या कहते हैं?

ii) जीवन यापन करने के लिए कौन-सा साधन अपनाया गया है?

iii) व्यवसायिक पर्यावरण किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा - छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक छात्रों के समक्ष उपविषय की घोषणा करेंगे कि "अच्छा बच्चो" आज हम व्यवसायिक पर्यावरण अध्ययन करेंगे

Scanned with CamScanner

प्रस्तुतीकरण - पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्यान कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु नोट करेंगे।	
व्यवसायिक पर्यावरण	कोई भी व्यवसाय शून्य नहीं होता इसे बहुत से आंतरिक व बाहरी तत्व निरंतर प्रभावित करते रहते हैं। इन आंतरिक व बाहरी तत्वों के समूह को व्यवसायिक पर्यावरण कहते हैं। इसे दूसरों शब्दों में व्यवसायिक पर्यावरण का आशय उन तत्वों से है जो एक व्यवसायिक संस्था के आस-पास स्थित होते हैं और उसके कार्यों को प्रभावित करते हैं।		व्यवसायिक पर्यावरण का अर्थ- आंतरिक व बाहरी तत्वों का समूह
परिभाषा -	व्यवसाय पर्यावरण की प्रमुख परिभाषाएं हैं -		
	i) व्यवसायिक पर्यावरण व्यवसायिक फर्मों तथा उद्योगों के बाहर उन सभी तत्वों का योग है जो उनके संगठन तथा संचालन को प्रभावित करते हैं।		
	ii) आर्थर एम. वीमर- के विचार में व्यवसायिक पर्यावरण में सभी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक या संस्थागत दशाओं को शामिल किया जाता है जिनके कारण व्यवसायिक कार्यकर्ताओं का संचालन किया जाता है।		

LESSON No. ....

Date.................................... Duration of the period....................................

Pupil Teacher's Name.................................... Pupil Teacher's Roll No....................................

Class.................................... Average Age of the pupils....................................

Subject.................................... Topic....................................

iii) कैथ डेविस - व्यवसायिक पर्यावरण उन सभी दशाओं, घटनाओं और प्रभावों का योग है जो व्यवसाय के आस-पास पाया जाता है और उसे प्रभावित करती है।

विकासात्मक प्रश्न :-

i) व्यवसायिक पर्यावरण का क्या अर्थ है?	आंतरी तथा बाह्य तत्वों के समूह को व्यवसायिक पर्यावरण कहा जाता है।
ii) व्यवसाय कब प्रगति करता है?	अपने आप में व्यवसायिक पर्यावरण अनुकूल बनाए रखता है।
iii) व्यवसायिक पर्यावरण की क्या विशेषताएँ हैं?	मौन।

अध्यापक कथन - छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विशेषताएँ - i) व्यवसाय व पर्यावरण में संबंध - व्यवसाय तथा पर्यावरण में घनिष्ठ संबंध है।

ii) परिवर्तनशील - व्यवसायिक पर्यावरण बहुत से तत्वों का समूह है जिनमें निरंतर परिवर्तन होता है।

iii) जटिल - पर्यावरण बहुत से तत्वों जैसे - आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, तकनीकी, वैज्ञानिक आदि के संयोग से बनता है।

iv) परस्पर निर्भर घटके - व्यवसायिक

Scanned with CamScanner

पर्यावरण के विभिन्न घटक एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।		

पुनरावृत्ति - छात्राध्यापक पढ़ाए गए विषय में से निम्न प्रश्न पूछेंगे-

i) व्यवसायिक परिवर्तन किसे कहते हैं?
ii) व्यवसायिक पर्यावरण की परिभाषा लिखिए।
iii) व्यवसायिक पर्यावरण की विशेषताएँ लिखिए।

गृहकार्य - छात्राध्यापक पढ़ाए गए विषय में से गृहकार्य देंगे कि सभी छात्र घर से व्यवसायिक पर्यावरण के बारे में अध्ययन करके आएँगे।

Pawan
09.12.17.

Scanned with CamScanner

Date 11/12/2017 **LESSON No. 7**

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Duration of the period 40 min

Class 8th

Pupil Teacher's Roll No. 222

Subject Commerce

Average Age of the pupils

Topic पेशा

अनुदेशनात्मक सामग्री - चॉक, संकेतक, डस्टर इत्यादि।

सहायक सामग्री - विषयवस्तु से संबंधित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य - i) तर्कशक्ति का विकास करना।
ii) कल्पना शक्ति का विकास करना।
iii) भौतिक व सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान करना।
iv) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य - पाठ की समाप्ति के पश्चात छात्रों में निम्नलिखित परिवर्तन आ जाएँगें।
1) विद्यार्थी को उपविषय का ज्ञान हो जाएगा।
2) विद्यार्थी पेशों का उदाहरण दे पाएँगे।
3) प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगें।
4) विद्यार्थी का व्यक्तित्व योग्यता का विकास हो पाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान - विद्यार्थी पेशा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण :- छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगें -
1) सभी व्यक्ति अपनी प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति कैसे करते हैं?
2) अपना जीवनयापन करने के लिए हम धंधा करते हैं- उसे हम शैक्षिक भाषा में क्या कहेंगें?
3) पेशा किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा - छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक उपविषय की घोषणा करेगा कि "अच्छा बच्चों" आज हम पेशा व उसकी विशेषताओं का अध्ययन करेंगें।

Scanned with CamScanner

प्रस्तुतीकरण - पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापक विषयवस्तु की पूर्णरूप से व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु नोट करेंगे।	
पेशा का अर्थ	पेशा से अभिप्राय मानवीय आर्थिक सेवाओं से है। कोई भी पेशा ऐसा धंधा है जिसमें एक व्यक्ति अपने विशिष्ट ज्ञान एवं प्रशिक्षण से प्राप्त योग्यताओं के द्वारा आर्थिक प्रतिफल के बदले अपने समाज के अन्य लोगों को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। जैसे- वकील, डॉक्टर, शिक्षक, लिपिक, सलाहकार इत्यादि।		पेशा का अर्थ अपने ज्ञान व प्रशिक्षण से अन्य व्यक्ति को सेवाएँ प्रदान करता है।
परिभाषाएँ -	बेवस्टर शब्दकोष के अनुसार पेशा 'वह अवस्था है जो एक व्यक्ति विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करके अन्य व्यक्तियों का निर्देशन, मार्ग दर्शन एवं परामर्श देता है। 2) होज तथा जॉनसन के शब्दों में "पेशा वह व्यवसाय है जिसके लिए एक विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता होती है तथा जिसका उच्च स्तरीय निरंतरता द्वारा समाज के एक संबंधित वर्ग की सेवा का		

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..................................

Subject.. Topic...

प्रयोग किया जाता है।

विकासात्मक प्रश्न- 1) पेशा का उदाहरण दीजिए।	छात्र उत्तर देंगे:- डॉ, वकील, अध्यापक, वितीय सलाहकार इत्यादि।	
2) वेबस्टर के शब्दकोश के अनुसार पेशा क्या है?	पेशा वह व्यवसाय है जो एक व्यक्ति विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करके अन्य व्यक्ति को निर्देशन व परामर्श देता है।	
3) पेशे की विभिन्न विशेषताएँ क्या है?	छात्र मौन।	
पेशे की विशेषताएँ:- विशिष्ट ज्ञान:- किसी भी पेशे को अपनाने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति ने उस पेशे का ज्ञान प्राप्त कर लिया है। 2) प्रशिक्षण तथा अनुभव:- पेशेवर व्यक्ति को अपने ज्ञान से आधुनिक बनाए रखना चाहिए। प्रशिक्षण लेने से काम में निखार आता है। 3) सेवाभाव:- पेशेवर व्यक्ति में आर्थिक उद्देश्य के साथ सेवा की भावना होनी चाहिए। वस्तुतः सेवाभाव पेशेवर व्यक्ति की सफलता का मूलमंत्र है। 4) ईमानदारी व नैतिकता- पेशेवर		

व्यक्ति को अपना कार्य मेहनत, लगन व ईमानदारी तथा नैतिकता से करना चाहिए। 5) आचार व संहिता - पेशेवर व्यक्ति को अपने पेशे की गरिमा को बनाए रखने के लिए उसका पालन करना चाहिए। 6) प्रतिनिधि पेशेवर संस्था - भारत में प्रतिनिधि पेशेवर संघ है - MCI, BCI, etc.		

पुनरावृत्ति :- छात्राध्यापक पढ़ाए गए उपविषय में से निम्न प्रश्न पूछेंगे -

1) पेशा का क्या अर्थ है?
2) सेवाभाव कैसे किया जाता है?
3) पेशे के लिए कैसा ज्ञान होना चाहिए?
4) पेशे से जुड़े व्यक्तियों के नाम लिखें।

Pdhan
11/12/17

Date: 12/12/2017 **LESSON No.** 8

Pupil Teacher's Name: Yogi Devi

Duration of the period: 40 min

Class: 7th

Pupil Teacher's Roll No. 222

Subject: Commerce

Average Age of the pupils:

Topic: व्यवसायिक पर्यावरण के घटक

अनुदेशनात्मक सामग्री - चाक, संकेतन, डस्टर इत्यादि।

सहायक सामग्री - विषयवस्तु संबंधित कोई भी पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य - 1) छात्रों को व्यवसायिक पर्यावरण के घटक की जानकारी देना।

2) कल्पना शक्ति का विकास करना।

3) तर्क-वितर्क शक्ति का विकास करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य:- पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन आ जायेंगे।

1) विद्यार्थियों को व्यवसायिक पर्यावरण के घटक का ज्ञान हो जाएगा।
2) विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर पायेंगे।
3) विद्यार्थियों में कल्पना कौशल का विकास हो जाएगा।
4) विद्यार्थियों में तर्क-वितर्क की शक्ति उत्पन्न हो जाएगी।

अनुमानित पूर्वज्ञान:- छात्र व्यवसायिक पर्यावरण के घटक की सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण:- छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेंगे-
1) व्यवसायिक पर्यावरण क्या है?
2) व्यवसायिक पर्यावरण की क्या विशेषताएँ हैं?
3) व्यवसायिक पर्यावरण के घटक क्या हैं?

उपविषय की घोषणा- छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक घोषणा करेंगे कि "अच्छा बच्चों आज हम व्यवसायिक पर्यावरण के घटक का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण- पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकबोर्ड कार्य

	व्याख्यात्मक विषयवस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगे।	छात्र ध्यान से सुनेंगे व मुख्य बिंदु नोट करेंगे।	
व्यवसायिक पर्यावरण के घटक	व्यवसायिक पर्यावरण को प्रभावित करनेवाले तत्वों को दो भागों में बाँटा जाता है। 1) आंतरिक पर्यावरण- आंतरिक पर्यावरण में किसी व्यवसायिक इकाई को प्रभावित करने वाले उन तत्वों को शामिल किया जाता है जो व्यवसाय के नियंत्रण में आते हैं, ये निम्न हैं- व्यवसाय के उद्देश्य - वित्तीय साधन - भौतिक व मानवीय संसाधन - प्रबन्धकीय नीति - कार्य परिस्थितियाँ - श्रमिक प्रबंध		व्यवसायिक पर्यावरण के घट आंतरिक
	2) बाह्य पर्यावरण- बाहरी पर्यावरण वे तत्व हैं जो व्यवसायिक इकाई के आस पास आए हैं और संगठन को प्रभावित करते हैं। बाह्य पर्यावरण दो प्रकार का होता है। • सूक्ष्म पर्यावरण- सूक्ष्म बाह्य पर्यावरण व्यवसाय के निष्पादन को सीधा प्रभावित करता है। इसके अन्तर्गत निम्न घटक हैं- - प्रतिकर्ता - ग्राहक - मध्यस्थ		बाह्य

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..................................

Subject.. Topic...

- प्रतियोगी इकाइयाँ
- जन समूह

विकासात्मक प्रश्न -

1) पर्यावरण घटक कौन-से है?	छात्र उत्तर देंगे i) आंतरिक ii) बाह्य
2) जनसमूह किस घटक के अंतर्गत आता है?	सूक्ष्म बाह्य पर्यावरण
3) व्यवसाय समष्टि पर्यावरण किसे कहते हैं?	मौन

व्यवसाय समष्टि पर्यावरण:- इससे तात्पर्य किसी व्यवसाय के सामान्य पर्यावरण से है। इसके घटक व्यावसायिक इकाइयों के नियंत्रण के बाहर होते हैं। इसके मुख्य घटक निम्न है-

- आर्थिक पर्यावरण
- आर्थिक प्रणाली
- पूंजीवादी अर्थव्यवस्था
- समाजवादी अर्थव्यवस्था
- आर्थिक नीतियाँ
- आर्थिक दशाएँ

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापक पढ़ाए गए विषयवस्तु में से निम्न प्रश्न

Scanned with CamScanner

पूछेंगे :-

1) व्यावसायिक पर्यावरण के घटक कौन-से हैं?

2) आंतरिक पर्यावरण से क्या तात्पर्य है?

3) सूक्ष्म पर्यावरण क्या है?

गृहकार्य :- छात्राध्यापिका पढ़ाए गए विषय में से निम्न गृहकार्य देंगे -

सभी छात्र घर से व्यवसाय समष्टि पर्यावरण के घटकों को विस्तार से लिखकर आएँगे।

Date 13/12/2017 **LESSON No.** 9

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 9th

Average Age of the pupils

Subject Commerce

Topic PCO

अनुदेशनात्मक सामग्री- चाक, संकेतन, झाड़न, इत्यादि।

सहायक सामग्री- पाठ से संबंधित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य- 1) छात्रों को PCO के बारे में बताना।
2) छात्रों में तर्क शक्ति का विकास करना।
3) छात्रों में कल्पना शक्ति का विकास करना।
4) पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य- पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में निम्न परिवर्तन आएँगे-
1) विद्यार्थी PCO के बारे में जान पाएँगे।
2) विद्यार्थी पाठ का प्रत्यास्मरण कर ~~सक~~ पाएँगे।
3) विद्यार्थी में करूना कौशल का विकास हो जाएगा।
4) विद्यार्थी ज्ञान का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान- छात्र PCO के बारे में सामान्य जानकारी है।

पूर्वज्ञान परीक्षण:- छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान से सम्बन्धित निम्न प्रश्न पूछेंगे-
1) हम अपनी बात को पहले किस माध्यम से करते थे?
2) हमने अब कौनसा माध्यम अपनाया है?
3) PCO से क्या तात्पर्य है?

उपविषय की घोषणा:- छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक घोषणा करेंगे कि "अच्छा बच्चों आज हम PCO के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण:- पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य

Scanned with CamScanner

PCO का अर्थ	PCO को हिंदी में सार्वजनिक टेलीफोन कार्यालय के नाम से जाना जाता है। PCO को एक ऐसे केंद्र की संज्ञा दी जाती है जहाँ पर जनता से निर्धारित दरों से शुल्क लेकर टेलीफोन करने की सुविधा दी जाती है।		पी. सी. ओ.
PCO की स्थापना	जो व्यक्ति PCO खोलना चाहता है उसे इस संचार विभाग से इसका फार्म लेकर उसे भरकर निश्चित शुल्क के साथ जमा करना पड़ता है। फार्म स्वीकार होने पर कनेक्शन मिल जाता है।		
सुविधाएँ	(1) - स्थानीय कॉल - उसी शहर में कॉल जाने को स्थानीय कॉल कहते हैं।		सुविधाएँ लोकल
	(2) STD कॉल - इसमें शहर में कॉल करने की दूरी याएँ दूसरी कॉल को STD कॉल कहते हैं।		STD कॉल
	3) ISD कॉल :- किसी दूसरे देश में कॉल करने को ISD कॉल कहते हैं।		
	विकासात्मक प्रश्न : i) PCO क्या है? ii) PCO की सुविधाएँ कौन सी हैं? iii) PCO से फोन करने की क्या विधि है?		

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date..

Duration of the period..

Pupil Teacher's Name ....

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class..

Average Age of the pupils..............................

Subject..

Topic..

1) सार्वजनिक स्थान पर लगे फोन :- इसमें रिसीवर उठाकर सिक्का डालते हैं फिर नंबर डायल करके बात करते हैं।

2) PCO से फोन करना- इसमें किसी भी PCO में जाना लोकल, STD व ISD कॉल कर सकते हैं। इसमें सिक्का नहीं डालना पड़ता।

पुनरावृत्ति- 1) PCO किसे कहते हैं?
2) PCO पर उपलब्ध सुविधाएं कौन-सी हैं?
3) टेलीफोन करने की विधि बताइएं।

गृहकार्य- सभी छात्र PCO के बारे में अधिक जानकारी इकट्ठी करके लाएं।

Pahwa
13-12-17

Scanned with CamScanner

Date 14/12/2017 **LESSON No.** 10

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Class 8th

Subject Commerce

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Roll No. 222

Average Age of the pupils

Topic फैक्स

अनुदेशनात्मक सामग्री- चाक, संकेतन, डस्टर इत्यादि।

सहायक सामग्री- विषयवस्तु संबंधी पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य- 1) छात्रों को फैक्स की जानकारी देना।
2) छात्रों तर्क शक्ति का विकास देना।
3) छात्रों में जिज्ञासा शक्ति का विकास।
4) पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य-
1) विद्यार्थी फैक्स सुविधा के बारे में जान पायेंगे।
2) विद्यार्थी पाठ का मूल्यांकन कर पायेंगे।
3) विद्यार्थी में कारमा कौशल का विकास हो जाएगा।
4) विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का उपयोग जीवन में कर पायेंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान- छात्र फैक्स सुविधा में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण- 1) अपने दफ्तर के कागजों में किस प्रकार भेज सकते हैं?
2) फैक्स का तात्पर्य?
3) फैक्स के फायदे?

उपविषय की घोषणा- अच्छा बच्चों आज हम फैक्स के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण- पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या कौशल का प्रयोग किया जाएगा।

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य

Scanned with CamScanner

फैक्स का अर्थ	फैक्स लिखित संदेश को किसी दूसरे स्थान पर हूबहू भेजने की संचार की एक इलेक्ट्रिक तकनीक है। इसका नाम facsimple Trans- -mission है। फैक्स मशीन एक आधु- -निक यंत्र है जिसे टेलीफोन के साथ जोड़ दिया जाता है। इसके द्वारा कोई भी रेखाचित्र, चार्ट, संदेश आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जा सकता है।		फैक्स का अर्थ
प्रयोग विधि	सर्वप्रथम जिस व्यक्ति या संस्था को चित्र या संदेश भेजना है उससे फोन द्वारा संपर्क किया जाता है। उसका कोड व फैक्स नं. मिलाकर उससे कहा जाता है "कृपया फैक्स टोन दीजिए। फैक्स टोन मिलते ही संदेश वाले कागज फैक्स मशीन में लगाकर दबा देते हैं। बटन दबते ही कागज अंदर जाना बाहर आ जाता है। दूसरे शहर में उसकी हूबहू प्रतिलिपि लीजाती है।		प्रयोग विधि
	विकासात्मक प्रश्न :- 1) फैक्स सुविधा क्या है ?	छात्र उत्तर देंगे। फैक्स लिखित संदेश को किसी दूसरे स्थान पर हूबहू भेजने की संचार की एक इलैक्ट्रोनिक	

Scanned with CamScanner

Date..

LESSON No. ....

Pupil Teacher's Name ....

Duration of the period..........................

Class..

Pupil Teacher's Roll No. ....

Subject..

Average Age of the pupils..........................

Topic..

	(2) कागज फैक्स मशीन में कब टंगाया जाता है?	तकनीक है।	
	(3) कम्प्यूटर द्वारा फैक्स कैसे मिल जाता है?	छात्र मौन।	
	छात्राध्यापिका कथन-	छात्र ध्यान से सुनेंगे।	
कम्प्यूटर से फैक्स	नवीनतम फैक्स मशीन कम्प्यूटर तकनीक के प्रयोग से संदेशों आदि को तीव्रता से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजती है। कम्प्यूटर द्वारा फैक्स करने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है।		
	1) मॉडेम		
	ii) सॉफ्टवेयर		

पुनरावृत्ति-

छात्राध्यापक छात्रों से पढ़ाए गए उपविषय में से निम्न प्रश्न पूछेंगे-

1) फैक्स सुविधा क्या है?

Scanned with CamScanner

2) कंप्यूटर से फैक्स कैसे किया जाता है?
3) फैक्स से क्या - क्या भेजा जा सकता है?

गृहकार्य -

छात्राध्यापक छात्रों को पढ़ाए गए उपविषय में से गृहकार्य देंगे -

i) फैक्स कैसे भेजा जाता है?
ii) कंप्यूटर द्वारा फैक्स भेजने की विधि बताइए।

Pawan
15-12-17

Scanned with CamScanner

LESSON No. 11.......

Date 15/12/2017 — Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Name Yogi Devi — Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 8th — Average Age of the pupils

Subject Commerce — Topic इंटरनेट

अनुदेशनात्मक सामग्री - चॉक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री - विषयवस्तु से संबंधित कोई पुस्तक।

सामान्य उद्देश्य - 1) छात्रों को इन्टरनेट की जानकारी देना।
2) तर्कशक्ति का विकास करना।
3) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4) कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य - पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्न परिवर्तन आएँगें :-
(1) छात्रों को इन्टरनेट की जानकारी हो जाएगी।
(2) विद्यार्थी पाठ का प्रत्यास्मरण कर पाएँगें।
(3) विद्यार्थी में व्याख्या कौशल का विकास होगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान - छात्र इन्टरनेट के बारे में जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण - छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेगी -
(1) डार द्वारा क्या भेजा जाता है?
(2) संदेश भेजने के लिए कौन - से साधन है?
(3) इन्टरनेट किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा - छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापक घोषणा करेंगें कि "अच्छा बच्चों आज हम आपको इन्टरनेट के विषय में बताएँगें।"

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु	प्रस्तुतीकरण - छात्राध्यापिका कथन	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
इन्टरनेट	इन्टरनेट देश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित टेलीफोन तारनों एवं उपग्रहों की सहायता से जुड़े एक-दूसरे से जुड़े कंप्यूटरों का नेटवर्क है। दूसरों शब्दों में इंटरनेट मूल रूप से कंप्यूटरों का विश्वव्यापी संचाल तथा नेटवर्क है। जो व्यक्तियों, संस्थानों को परस्पर जोड़ता है इन्टरनेट, इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त रूप है जिसका अर्थ विश्वव्यापी कंप्यूटर नेटवर्क है।		इन्टरनेट
कंप्यूटर का जन्म	इन्टरनेट की संकल्पना का वैचारिक जनक मैसा चुनेर टैक्नोलोजी इंस्टीट्यूट के जे.सी.आर. लिकट लाइकर को माना जा सकता है। इसी संस्था के लियोनार्ड क्लिनरॉक ने पैकेट स्विचिंग प्रौद्योगिकी के रूप में पहली सफलता दिलाई। सन् 1966 में अमेरिका, रक्षा विभाग की एक अनुसंधान डी.आर.पी.ए. ने अपना आरपनेट नामक प्रथम कम्प्यूटर नेटवर्क तैयार किया जो पैकेट स्विचिंग प्रगति पर आधारित था।		कंप्यूटर का जन्म

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..........................

Subject.. Topic..

इन्टरनेट सुविधा की प्राप्ति इन्टरनेट सेवा के प्रयोग के लिए आपके पास में सुविधाएँ होनी चाहिए- i) टेलीफोन कनेक्शन ii) कंप्यूटर iii) मोडेम iv) कम्युनिकेशन सॉफ्टवेयर v) सरकारी या गैर सरकारी इंटरनेट सेवा की सदस्यता		
विकासात्मक प्रश्न- 1) इन्टरनेट क्या है?	छात्र उत्तर देंगे। इंटरनेट देश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित टेलीफोन लाइनों या उपग्रहों की सहायता से एक दूसरे से जुड़े हुए कंप्यूटरों का नेटवर्क होता है।	
2) आरपानेट कंप्यूटर किसने और कब तैयार किया? 3) इन्टरनेट के उपयोग बताइए।	डी.आर.पी.ए. ने सन् 1966 में मौन	
छात्राध्यापिका कथन (इंटरनेट के उपयोग) 1) ई-मेल के द्वारा कुछ ही क्षणों में विश्व में किसी भी कोने में जो इंटरनेट से जुड़ा हो, डाक का आदान-प्रदान करना।		

Scanned with CamScanner

ii) इंटरनेट पर साक्षात्कार देकर नियुक्ति पत्र लेना।
iii) किसी भी सभा के अधिवेशन में भाग लेना।
iv) व्यापार तथा क्रय-विक्रय
v) समूचे विश्व के समाचार घर बैठे ही पढ़ना।
vi) कंप्यूटर स्क्रीन पर संगीत सुनना, फिल्म देखना।

पुनरावृत्ति - पढ़ाए गए उपविषय में से छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे-

i) इन्टरनेट क्या है?
ii) इन्टरनेट का जन्म कब हुआ?
iii) इन्टरनेट का उपयोग बताइए।

गृहकार्य - छात्राध्यापक पढ़ाए गए उपविषय में से गृहकार्य देंगे-

सभी छात्र इंटरनेट का विस्तार से अध्ययन करेंगे।

Pawan
15.12.17

Scanned with CamScanner

Date 16/12/2017 **LESSON No.** 12

Pupil Teacher's Name Yogi Devi

Class 9th

Subject Commerce

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Roll No. 222

Average Age of the pupils

Topic परिवहन व उसके साधन

अनुदेशनात्मक सामग्री- चाक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक उद्देश्य- विषयवस्तु से संबंधित एक पुस्तक

सामान्य उद्देश्य-

i) पाठ में रुचि उत्पन्न करना।
ii) तर्क शक्ति का विकास करना।
iii) कल्पना शक्ति का विकास करना।
iv) वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य-

i) विद्यार्थी को परिवहन संचार व उसके वहन संबंधी ज्ञान जायेगा।
ii) विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।
iii) विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान- छात्र परिवहन व उसके साधन के विषय में जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण- छात्राध्यापक छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेंगे-

i) आप एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं?
ii) इन साधनों को क्या कहते हैं?
iii) परिवहन किसे कहते हैं?

उपविषय की घोषणा- "अच्छा बच्चों" आज हम परिवहन व उसके साधनों के बारे में अध्ययन करेंगे।

Scanned with CamScanner

प्रस्तुतीकरण -

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
परिवहन	जो साधन यात्रियों और सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाता है, परिवहन कहलाता है। भारत में पाँच प्रकार के परिवहन तंत्र हैं इनके नाम हैं - i) सड़क मार्ग ii) रेलमार्ग iii) वायुमार्ग iv) पाइपलाइन v) जलमार्ग	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	परिवहन के प्रकार सड़क मार्ग, रेलमार्ग, वायुमार्ग, पाइपलाइन व जलमार्ग हैं।
संचार	जो साधन संदेशों और सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं उन्हें संचार साधन कहते हैं। संचार के साधन दो प्रकार के होते हैं - i) व्यक्तिगत संचार ii) जनसंचार iii) मुद्रित माध्यम पुस्तकें iv) रेडियो, टेलीविजन		संचार इसके दो प्रकार हैं - व्यक्तिगत और जनसंचार

विकासात्मक प्रश्न :

प्रश्न	छात्र अनुक्रिया
i) परिवहन किसे कहते हैं?	जो साधन यात्रियों और सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाता है।

Scanned with CamScanner

LESSON No. ....

Date............................ Duration of the period............................

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class............................ Average Age of the pupils............................

Subject............................ Topic............................

2) साधन किसे कहते हैं?	जो साधन संदेशों और सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं।	
व्यापार — दो व्यक्तियों का समूह के बीच लेन-देन को व्यापार कहते हैं। स्थानीय व्यापार नगरों, कस्बों अथवा राज्यों के बीच में होता है। किसी देश का विकसित अंतर-राष्ट्रीय व्यापार उसकी आर्थिक सम्पन्नता का प्रतीक है। व्यापार के दो पहलू हैं - - आयात - निर्यात	~~व्यापार के दो~~	व्यापार के दो पहलू - आयात - निर्यात
आयात व निर्यात के बीच के अन्तर को व्यापार सन्तुलन कहते हैं। यदि निर्यात अधिक और आयात कम तो उसे व्यापार अनुकुल संतुलन कहते हैं।		

पुनरावृत्ति-

1) परिवहन के साधन किसे कहते हैं?

11) परिवहन के तंत्र कौन-से हैं।

Scanned with CamScanner

3) संचार के साधन कौन - से हैं ?

गृहकार्य - छात्राध्यापक पढ़ाए गए पाठ में से गृहकार्य देंगे -
सभी छात्र घर से परिवहन व उसके साधन का अध्ययन करेंगे।

Pawan
18.12.17

Scanned with CamScanner

OBSERVATION LESSONS

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. 1

Date: 24/4/2018 — Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Yogita Devi — Pupil Teacher's Roll No.: 228

Class: 6th — Average Age of the pupils:

Subject: Commerce — Topic: Advertisment

1) चाकपट्ट प्रविस्टियाँ भरी गई।
2) कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।
3) पाठ शिक्षण हावभाव से परिपूर्ण था।
4) सही को संकेतक की सहायता से दर्शाया गया था
5) पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य-तत्व सामग्री का प्रयोग किया गया था।
6) अन्त में पुनरावृत्ति की गई।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 2

Date: 24/4/2018 — Duration of the period: 20min

Pupil Teacher's Name: Priya — Pupil Teacher's Roll No.: 223

Class: 7th — Average Age of the pupils:

Subject: Science — Topic: परिवहन के साधन

1) श्याम पट्ट प्रविस्टियाँ भरी गई।
2) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरान्त की गई।
3) कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।
4) पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया गया।
5) अन्त में पुनरावृत्ति की गई।
6) पाठ के अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. 3

Date 24/4/2018 — Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Yogita — Pupil Teacher's Roll No. 228

Class 8th — Average Age of the pupils

Subject Hindi — Topic त्रिभुज

1) श्यामपट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
2) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षण के उपरान्त की गई।
3) कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।
4) पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया गया।
5) चार्ट को सही समय पर संकेतक की सहायता से दर्शाया गया।
6) अन्त में पुनरावृत्ति की गई।
7) पाठ के अन्त में गृहकार्य किया गया।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 4

Date 24/4/2018 — Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Ritu — Pupil Teacher's Roll No. 219

Class 9th — Average Age of the pupils

Subject S.S. — Topic 1857 की क्रान्ति

1) चाकपट्ट की प्रविष्टियां भरी गई।
2) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरान्त की गई।
3) पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य-तन्त्र साधनों का प्रयोग किया गया।
4) चार्ट का प्रयोग सही समय पर संकेतक की सहायता से किया गया।
5) रंगीन चाक का प्रयोग किया गया।
6) अन्त में पुनरावृत्ति की गई और छात्रों को गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. 5

Date 24/4/2017 Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Sunita Pupil Teacher's Roll No. 220

Class 6th Average Age of the pupils

Subject English Topic Tense

1) चाक पट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
2) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरान्त की गई।
3) कक्षा मे अनुशासन की स्थिति थी।
4) पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया गया।
5) रंगीन चाक का प्रयोग चित्र बनाने के लिए किया गया।
6) अन्त में पाठ की पुनरावृत्ति की गई।
7) पाठ के अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 6

Date 24/4/2017 Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Ritu Pupil Teacher's Roll No. 216

Class 7th Average Age of the pupils

Subject Hindi Topic E.mail

1) श्यामपट्ट प्रविष्टियाँ भरी गई।
2) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरान्त की गई।
3) कक्षा मे अनुशासन की स्थिति थी।
4) पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया गया।
5) अन्त मे पाठ की पुनरावृत्ति की गई।
6) चार्ट का प्रयोग सही समय पर संकेतक से किया गया।
7) पाठ के अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. ....

Date 24/4/2017 — Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Kavita — Pupil Teacher's Roll No. 222

Class 9th — Average Age of the pupils ....

Subject Commerce — Topic Business

1. पाठ को सही समय पर प्रारंभ किया गया।
2. श्यामपट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
3. पूर्वज्ञान परीक्षा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
4. उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरान्त की गई।
5. श्यामपट्ट कार्य साफ-सुथरा रहा।
6. पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया।
7. चार्ट का सही समय पर प्रयोग किया गया।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. ....

Date 24/4/2017 — Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Priya — Pupil Teacher's Roll No. 223

Class 8th — Average Age of the pupils ....

Subject Maths — Topic ~~त्रिभुज~~ Triangels

1. श्यामपट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
3. पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया।
4. चार्ट को सही समय पर टांगा व प्रयोग किया गया।
5. रंगीन चाक का प्रयोग किया गया।
6. कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।
7. अन्त में पुनरावृत्ति की गई।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. ....

Date: 24/4/2017 — Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Pinki — Pupil Teacher's Roll No. ....

Class: 9th — Average Age of the pupils ....

Subject: Math — Topic: Triangels

1. पाठ को सही समय पर किया गया।
2. श्यामपट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
3. उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान के उपरान्त की गई।
4. पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य - श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया।
5. चार्ट को सही स्थान पर टांगा व संकेतन की सहायता से टांगा गया।
6. श्यामपट्ट लेखन साफ - सुथरा था।
7. कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. ....

Date: 24/4/2017 — Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Priya — Pupil Teacher's Roll No. 223

Class: 8th — Average Age of the pupils ....

Subject: Science — Topic: Water cycle

1. चाकपट्ट प्रविष्टियां भरी गई।
2. पाठ सही समय पर किया जाएगा।
3. पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य - श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया जाएगा।
4. चार्ट को सही सही स्थान पर टांगा व संकेतन की सहायता से टांगा जाएगा।
5. कक्षा में अनुशासन था।

Sign. of Pupil Teacher — Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner